मुख्यमंत्री ने सुथनी में किया बायो सीएनजी प्लांट का शिलान्यास

चर्चा में क्यों?

6 अप्रैल, 2023 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर ज़िले के सहजनवाँ तहसील के सुथनी गाँव में गीले कूड़े से बायो कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) से बनने वाले प्लांट का लखनऊ से वर्चुअल शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इस प्लांट का निर्माण 150 करोड़ रुपए की लागत से मुंबई की कंपनी एवरइन्वायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड करेगी। काम प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर होगा।
- इस प्लांट में शहर से निकलने वाले गीले कूड़े से बायो सीएनजी गैस के अलावा खाद भी तैयार होगी। नगर निगम की टीम शहर से निकलने वाले गीले कूड़े को प्लांट तक पहुँचाएगी। प्लांट में लगी मशीनों के जरिए कूड़े की छँटाई होगी। इसके बाद ज़रूरत के अनुसार प्लांट में सीएनजी और खाद तैयार होगी।
- बायो सीएनजी प्लांट में रोज़ाना 200 टन गीले कचरे की ज़रूरत होगी। इस कचरे से रोज़ाना 1000 किलोग्राम बायो सीएनजी का उत्पादन होगा। साथ ही, 40 टन जैविक खाद भी बनेगी। इससे महानगर से रोज़ाना निकलने वाले 350 टन में से ज्यादातर कूड़े का निस्तारण हो जाएगा।
- इस प्लांट को लगाने से लेकर संचालन तक का पूरा खर्च मुंबई की कंपनी एवरइन्वायरो रिसोर्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड वहन करेगी यहाँ तक कि प्लांट में लगे कर्मचारियों को वेतन आदि भी कंपनी ही देगी।
- वहीं, नगर निगम को केवल ज़मीन उपलब्ध कराएगी इस ज़मीन के एवज में प्लांट संचालन करने वाली कंपनी प्रत्येक साल रायल्टी के रूप में नगर निगम को 56 लाख रुपए भी देगी। 15 साल के बाद कंपनी चालू हालत में नगर निगम को यह प्लांट सौंप देगी।
- नगर निगम के चीफ इंजीनियर संजय चौहान ने बताया कि एक साल में कंपनी इस प्लांट को तैयार कर लेगी। इसके बाद शहर का कूड़ा वहाँ गिरने लगेगा। फिर बायो सीएनजी के अलावा जैविक बनना शुरू हो जाएगा।
- कंपनी इस बायो सीएनजी और जैविक खाद का व्यावसायिक इस्तेमाल करेगी। वह इसे बाज़ार में बेचेगी और अपना खर्च निकालेगी। हालाँकि नगर निगम को दोनों चीजें कुछ कम कीमत पर मिलेंगी।
- विदित है कि मध्य प्रदेश के इंदौर में भी इसी कंपनी के द्वारा प्लांट लगाया गया है और इससे वह अपना पूरा खर्च निकालती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chief-minister-laid-the-groundwork-of-bio-cng-plant-in-suthni